माइनिंग सेक्टर में वेदांता की बड़ी जीत; मिल गई 152 हेक्टेयर की यह खदान, क्यों खास है 'पुन्नम मैंगनीज ब्लॉक'? - vedanta bags manganese block tender in andhra pradesh set to reduce import dependence

By Chandrashekhar Gupta Edited By: Chandrashekhar Gupta Updated: Fri, 14 Aug 2026 03:10 PM (IST) ⁝ 2-3 minutes

विज्ञापन हटाएंसिर्फ खबर पढ़ें

वेदांता लिमिटेड ने आंध्र प्रदेश में पुन्नम मैंगनीज ब्लॉक की बोली जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह अधिग्रहण कंपनी के पोर्टफोलियो को मजबूत करेगा और भारत की मैंगनीज आयात निर्भरता घटाएगा।

Add as a preferred source on Google

वेदांता को 'पुन्नम मैंगनीज ब्लॉक' के लिए 'सफल बोलीदाता घोषित किया गया है।

HighLights

1. वेदांता ने आंध्र प्रदेश में मैंगनीज ब्लॉक की बोली जीती।
2. पुन्नम मैंगनीज ब्लॉक 152 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है।
3. यह भारत की मैंगनीज आयात निर्भरता कम करेगा।

नई दिल्ली। देश की दिग्गज माइनिंग और मेटल कंपनी वेदांता लिमिटेड (Vedanta Limited) के हाथ एक बड़ी कामयाबी लगी है। दरअसल, कंपनी ने आंध्र प्रदेश में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। स्कोटॉक एक्सचेंज को दी सूचना में कंपनी ने बताया है कि उसे आंध्र प्रदेश के 'पुन्नम मैंगनीज ब्लॉक' (Punnam Manganese Block) के लिए सफल बोलीदाता घोषित किया गया है।

विज्ञापन हटाएंसिर्फ खबर पढ़ें

वेदांता लिमिटेड की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, आंध्र प्रदेश सरकार के खान और भूविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित ई-नीलामी के माध्यम से कंपनी ने यह बोली जीती है। सभी आवश्यक वैधानिक अनुपालनों को पूरा करने के बाद वेदांता को सफल घोषित किया गया।

विज्ञापन हटाएंसिर्फ खबर पढ़ें

ब्लॉक की खासियत और विस्तार

यह मैंगनीज ब्लॉक आंध्र प्रदेश राज्य में स्थित है और कुल 152 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। वर्तमान में यह ब्लॉक अन्वेषण के G4 चरण में है। इस अधिग्रहण के साथ वेदांता अपने विविध धातु और माइनिंग पोर्टफोलियो को और अधिक विस्तार देने की राह पर है।

देश और कंपनी के लिए क्यों है खास?

वेदांता का मानना है कि इस मैंगनीज ब्लॉक के अधिग्रहण से न केवल कंपनी की स्थिति मजबूत होगी, बल्कि यह भारत की बढ़ती मैंगनीज जरूरतों को पूरा करने में भी सहायक सिद्ध होगा। क्योंकि, इससे देश के भीतर संसाधनों की उपलब्धता बढ़ेगी। वर्तमान में भारत मैंगनीज के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है। इस तरह के प्रोजेक्ट्स से विदेशों पर निर्भरता कम होगी। वेदांता के पास पहले से ही कई धातुओं का बड़ा पोर्टफोलियो है, जिसमें अब मैंगनीज की पकड़ और मजबूत होगी।

विज्ञापन हटाएंसिर्फ खबर पढ़ें